पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

समाज में कुष्ठ रोगियों के प्रति मानसिकता को बदलने की जरूरत है -राज्यपाल

कुष्ठ रोगियों के पुनर्वास एवं पेंशन के लिए प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री से बात करेंगे

लखनऊः 19 नवम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक से आज राजभवन में कुष्ठ रोगियों के पुनर्वास के लिये काम करने वाली स्वयंसेवी संस्था 'द निप्पाॅन फाउन्डेशन' के अध्यक्ष, योहिये सासाकावा ने अपने एक प्रतिनिधिमण्डल के साथ भेंट की। प्रतिनिधिमण्डल में श्री ततसुया तनामी, अधिषाशी निदेशक, श्री ताकाहीरो नानरी, कार्यक्रम निदेशक, सुश्री कतसुहिरो मोतोयामा, परियोजना समन्वयक तथा अन्य पदाधिकारी थे। प्रतिनिधिमण्डल के साथ ।च्।स् (एसोसिएशन आॅफ परसन्स अफेक्टेड बाई लेप्रोसी) के सलाहकार श्री उदय ठकार व उत्तर प्रदेश में काम करने वाली संस्था स्ैॅव् (लेप्रोसी सफरर्स वेलफेयर आर्गनाॅइजेशन) के अध्यक्ष, श्री वी नरसप्पा, पदाधिकारी, श्री दयालु प्रसाद व श्री मुरारी सिंह भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने 'द निप्पाॅन फाउन्डेशन' के अध्यक्ष श्री योहिये सासाकावा को बताया कि वें स्वयं इण्डियन लेप्रोसी मिशन के अध्यक्ष थे। राज्यपाल बनने के बाद उन्होंने अध्यक्ष पद से अपना त्याग पत्र दे दिया था। वे पहले भी मुम्बई में श्री योहिये सासाकावा के साथ कुष्ठ रोगियों के पुनर्वास हेतु काम कर चुके हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से कुष्ठ रोगियों के पुनर्वास तथा पेंशन के लिये बात करके समाधान करने का प्रयास करेंगे। राज्यपाल ने बताया कि उन्होंने एक याचिका कुष्ठ रोगियों के पुनर्वास हेतु संसद की याचिका समिति-2007 के समक्ष प्रस्तुत की थी। उस समिति के अध्यक्ष श्री वैंकेया नायडू ने अपनी रिपोर्ट में कुष्ठ रोगियों को रूपये 2000 मासिक पेंशन दिये जाने की संस्तुति की थी। उन्होंने कहा कि आज के दौर को देखते हुये कुष्ठ रोगियों के लिए कम से कम रूपये 2000 मासिक पेंशन होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि कुछ राज्य कुष्ठ पीड़ितों को पेंशन की सुविधा भी देते हैं।

श्री नाईक ने यह भी कहा कि समाज में इस मानसिकता को बदलने की जरूरत है कि कुष्ठ रोग संक्रामक रोग है। कुष्ठ रोग उचित इलाज से पूरी तरह ठीक हो सकता है और रोगी स्वस्थ होकर आम आदमी की तरह जीवन गुजार सकता है। देश में कुष्ठ रोगियों के लिए 800 से ज्यादा कालोनियाँ उपलब्ध हैं जो शहरों के बाहर बनायी गयी थी और जो आबादी बढ़ने के साथ शहरी क्षेत्र में आ गयी हैं। उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोगियों के पुनर्वास के लिये जब तक दूसरी जगह बुनियादी नागरिक सुविधाओं के साथ नयी कालोनियाँ न बन जाय उन्हें हटाया न जाय।

राज्यपाल ने कहा कि भारत और जापान के रिश्ते बडे करीब के रहे हैं और उनमें कुछ समानतायें भी हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जापान दौरे से दोनों देशों के बीच एक मैत्रीपूर्ण माहौल बना है। दोनों देश मिलकर शिक्षा एवं तकनीक के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि श्री सासाकावा से उनके रिश्ते कुष्ठ रोगियों की सेवा को लेकर बहुत पहले से हैं।

श्री योहिये सासाकावा ने कुष्ठ रोगियों की समस्याओं के लिये कार्य करने के प्रयास के लिये राज्यपाल की प्रशंसा की और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कुष्ठ रोगियों के पुनर्वास के लिए श्री नाईक द्वारा किए गए कार्य से वे अत्यन्त प्रभावित हैं।

भेंट के समय राज्यपाल की प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।